सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 327 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 8 जनवरी, 2024

मूल्य ₹ 3/-

उस तरह मत चलिए जिस तरह डर आपको चलाये। उस तरह चलिए जिस तरह प्रेम आपको चलाये। उस तरह चलिए जिस तरह ख़ुशी आपको चलाये।
-ओशो

फिर दिखेगा विराट-रोहित का टी-20... 7 | विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी से डेढ़ सौ... 3 | विकास कराने में नाकाम भाजपा... 2

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार को लगाई कड़ी फटकार

- » अदालत ने पोंछे बिलकिस बानो के आंसू
- » दोषियों को फिर से जेल में डालने का आदेश
- » प्रियंका व ओवैसी ने बीजेपी पर किया वार
- » शीर्ष कोर्ट ने गुजरात सरकार का फैसला पलटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिलकिस बानो मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात की बीजपी सरकार को करारा झटका दिया है। शीर्ष अदालत ने गुजरात सरकार का माफी का आदेश खारिज करते हुए कहा कि छूट पर फैसला महाराष्ट्र सरकार को लेना था, गुजरात सक्षम राज्य नहीं थी। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुईयां की बेंच ने आज ये बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने दोषियों की समयपूर्व रिहाई के मामले में भी सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी 11 दोषियों की रिहाई को रद्द कर दिया है और दो हफ्ते में इन्हें सरेंडर करने को कहा है। वंही कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी व हैदराबाद के सांसद ओवैसी ने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा इस सरकार ने बलात्कारियों का साथ दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मई 2022 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर गुजरात सरकार को पुनर्विचार याचिका दाखिल करनी चाहिए थी। गुजरात सरकार ने 13 मई, 2022 के फैसले को आगे बढ़ाते हुए महाराष्ट्र सरकार की शक्तियां छीन लीं, जो हमारी राय में अमान्य है। गुजरात सरकार ने दोषियों से मिलकर काम किया। गुजरात राज्य द्वारा शक्ति का प्रयोग शक्ति को हड़पने और शक्ति के दुरुपयोग का एक उदाहरण है। यह एक क्लासिक मामला है।

सजा प्रतिशोध के लिए नहीं बल्कि सुधार के लिए : न्यायमूर्ति नागरत्ना

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने फैसला सुनाते हुए कहा कि प्लेटो ने का कहा था कि सजा प्रतिशोध के लिए नहीं बल्कि सुधार के लिए है। क्यूरेटिव थ्योरी के में सजा की तुलना दवा से की जाती है, अगर किसी अपराधी का इलाज संभव है, तो उसे मुक्त कर दिया जाना चाहिए। यह सुधारात्मक सिद्धांत का आधार है। लेकिन पीड़ित के अधिकार भी महत्वपूर्ण हैं। नारी सम्मान की पात्र है। क्या महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों में छूट दी जा सकती है? ये वो मुद्दे हैं जो उठते हैं।

ये है बिलकिस बानो मामला

बिलकिस बानो उस वक्त 21 वर्ष की थीं और पांच महीने की गर्भवती थीं, जब साम्प्रदायिक दंगों के दौरान उसके साथ सामूहिक बलात्कार हुआ था। उसकी तीन वर्षीय बेटी परिवार के उन सात सदस्यों में शामिल थी, जिनकी दंगों के दौरान हत्या कर दी गई थी। बिलकिस बानों के दोषियों को पिछले साल स्वतंत्रता दिवस पर गुजरात सरकार ने एक अप्रचलित कानून की मदद से रिहा कर दिया था. जिससे विपक्ष, कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज में निंदा और आक्रोश की लहर थी. बिलकिस बानो ने कहा था कि उन्हें रिहाई के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। वहीं इनकी रिहाई के फैसले को बिलकिस बानो ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी और आज इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला बिलकिस बानो के हक में आया है।

अदालत के साथ धोखाधड़ी करके भौतिक तथ्यों को छिपाया गया

शीर्ष अदालत ने माना कि 13 मई, 2022 का फैसला (जिसने गुजरात सरकार को दोषियों को माफ करने पर विचार करने का निर्देश दिया था) अदालत के साथ धोखाधड़ी करके और भौतिक तथ्यों को छिपाकर प्राप्त किया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि दोषियों ने साफ हाथों से अदालत का दरवाजा नहीं खटखटाया था। यह देखते हुए कि राज्य (जहां अपराधी पर मुकदमा चलाया जाता है और सजा सुनाई जाती है) दोषियों की माफी याचिका पर फैसला करने में सक्षम है। शीर्ष अदालत ने कहा कि गुजरात ऐसा करने में सक्षम नहीं है।

लखनऊ विवि की पूर्व कुलपति भी दी थीं याचीकर्ताओं में शामिल

इस मामले में बिलकिस की याचिका के साथ ही मार्क्ससवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की नेता सुभाषिनी अली, स्वतंत्र पत्रकार रेवती लाल और लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति रूपरेखा वर्मा समेत अन्य ने जनहित याचिकाएं दायर कर सजा में छूट को चुनौती दी है। तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा ने भी दोषियों की सजा में छूट और समय से पहले रिहाई के खिलाफ जनहित याचिका दायर की है।

मालदीव के उच्चायुक्त को विदेश मंत्रालय ने किया तलब

- » पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी पर गरमाया माहौल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विवादित टिप्पणी को लेकर मामला तेजी से गरमाता जा रहा है। इस मामले को लेकर आज दिल्ली के साउथ ब्लॉक में स्थित भारतीय विदेश मंत्रालय ने मालदीव के उच्चायुक्त इब्राहिम साहिब को तलब किया है। इस मामले में रविवार को मालदीव सरकार ने तीन डिप्टी मंत्रियों को निलंबित कर दिया। ये तीनों ही मंत्रियों ने सोशल मीडिया पर पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थी।

इस मामले में मालदीव सरकार ने युवा मंत्री मालशा शरीफ, मरियम शिउना और अब्दुल्ला महजूम माजिद को निलंबित किया गया है। नई दिल्ली में एक आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि माले में भारतीय उच्चायुक्त ने रविवार को मालदीव के विदेश मंत्रालय के सामने इस मुद्दे को उठाया था। मालदीव के मंत्रियों द्वारा पीएम मोदी के खिलाफ विवादित टिप्पणियों की भारत में काफी आलोचना हुई है।

राजस्थान उपचुनाव में बीजेपी को कांग्रेस से मिली करारी शिकस्त

- » रुपिंदर सिंह कुन्नर ने ये सीट 12570 वोटों से जीती
- » भजनलाल सरकार के मंत्री सुरेंद्र सिंह को बड़ा झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीगंगानगर। करणपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा को बड़ा झटका लगा है। यहां कांग्रेस के रुपिंदर सिंह कुन्नर ने मंत्री सुरेंद्र सिंह को हरा दिया है। बता दें कि कांग्रेस ने ये सीट 12570 वोटों से जीती है। जीत के बाद कांग्रेस के नेताओं ने रुपिंदर सिंह कुन्नर को बधाई दी है। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने

एक्स पर दी कुन्नर को बधाई दी है।

श्रीकरणपुर में कांग्रेस प्रत्याशी रुपिन्दर सिंह कुन्नर को जीत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह जीत स्व. गुरमीत सिंह कुन्नर के जनसेवा कार्यों को समर्पित है। श्रीकरणपुर की जनता ने भारतीय जनता पार्टी के अभिमान को हराया है।

शपथ लेकर इस्तीफा देने वाले होंगे पहले मंत्री

केवल शपथ लेकर इस्तीफा देने वाले पहले मंत्री बन सकते हैं सुरेंद्र सिंह टीटी, ऐसा होगा तो आजाद भारत का पहला और दुर्लभ मामला होगा ये। इससे पहले मतगणना के दौरान कांग्रेस के नेता गोविंद सिंह डोटासरा ने एक्स पर जानकारी दी, उन्होंने लिखा की अबतक 14 राउंड पूरे हो चुके हैं। कांग्रेस 8500 वोट से आगे है। भाजपा ने आचार संहिता की धज्जियां उड़ाके अपने प्रत्याशी को मंत्री बनाया, चुनाव आयोग भी शांत रहा, लेकिन जनता ने अपना फैसला सुना दिया है।

विकास कराने में नाकाम भाजपा लेती है धर्म की आड़ : अखिलेश

» बसपा के साथ गठबंधन की खबरों में कोई दम नहीं : सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि विकास कराने में विफल भाजपा और उसकी सरकारें धर्म और भगवान के पीछे छिपने का काम करती हैं। वर्ष 2014 से लेकर अब तक देश में एक लाख किसान आत्महत्या कर चुके हैं। भाजपा सरकार की गलत नीतियों से हर वर्ग परेशान है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बदलाव होना तय है। अखिलेश सपा के राज्य मुख्यालय समाजवादी अधिवक्ता सभा की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इसमें कई राज्यों के अधिवक्ता शामिल हुए थे। अखिलेश यादव ने कहा कि अधिवक्ता समाज जागरूक और प्रभावशाली है। अधिवक्ता समाज समाजवादी पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों और एजेंडे को आम जनता तक पहुंचाने में कामयाब हो गया तो परिवर्तन तय है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में न सीमाएं सुरक्षित है और न किसान और जवान सुरक्षित है। बड़ी संख्या में लोग बैंकों का पैसा लेकर विदेश भाग गए। देश में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। नौजवान बेरोजगार है। भाजपा सरकार ने किसानों, नौजवानों व महिलाओं सभी को धोखा दिया है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा प्रधानों के बजट का पैसा काट कर विकसित भारत का झूठा सपना दिखा रही है।

समाजवादी सरकार को जब भी मौका मिला तो प्रदेश अधिवक्ताओं के लिए काम किया। समाजवादी सरकार ने अधिवक्ताओं के चैंबरों की व्यवस्था की। लखनऊ की नई हाईकोर्ट बिल्डिंग समाजवादी सरकार में बनी। भाजपा सरकार उसका रखरखाव तक नहीं कर पा रही है। अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन में बसपा को लेकर किए गए एक सवाल पर कहा कि इस तरह की खबरों में कोई दम नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पत्रकार सब कुछ जानते हुए भी बात को जलेबी की तरह घुमाते हैं। अखिलेश ने बसपा प्रमुख मायावती के सपा को अपने गिरेबान में झांकने के सवाल पर कहा कि इस विषय में कोई चर्चा नहीं करनी चाहिए। इंडिया गठबंधन भाजपा का मुकाबला करने जा रहा है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र और संविधान को कमजोर कर रही है। लड़ाई बाबा साहब के संविधान और बुल्डोजर के बीच है।

भाजपा झूठ बोलकर लोगों को कर रही गुमराह : डिंपल

मैनपुरी। मैनपुरी के विधानसभा किशनी क्षेत्र में सपा सांसद डिंपल यादव ने रविवार को गांव पृथ्वीपुर में विधायक निधि के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। ग्रामीणों से कहा कि भाजपा से बचकर रहें। भाजपा झूठ बोलकर आम आदमी को गुमराह करने का काम करती है। आगामी लोकसभा का चुनाव आम चुनाव नहीं संविधान बचाने का चुनाव होगा। सांसद ने कहा कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व तय करेगा कि गठबंधन में कौन रहेगा और कौन नहीं रहेगा। हमको पूरा भरोसा है कि मैनपुरी की जनता उपचुनाव की तरह ही आगामी लोकसभा चुनाव में भी साथ देगी। भाजपा के लोग सपा कार्यकर्ताओं को डरा धमका रहे हैं पर सपा के कार्यकर्ता डरने वाले नहीं है। आज किसान नौजवान परेशान है। गांव का युवा शिक्षित होना चाहता है पर भाजपा नहीं चाहती कि गांव का युवा शिक्षित बने।

टीएमसी में मतभेद का तो सवाल ही नहीं : अभिषेक

» बोले- नई-पुरानी पीढ़ी में एकजुटता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। विपक्ष और तमाम रिपोर्ट में दावा किया गया कि टीएमसी के भीतर पुरानी पीढ़ी और नई पीढ़ी में कई मुद्दों को लेकर आपसी मतभेद हैं। इस पर अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पुरानी और नई पीढ़ी में मतभेद का सवाल ही नहीं। इस तरह की सभी रिपोर्ट गलत और पूरी तरह से आधारहीन हैं। दक्षिण 24 परगना के डायमंड हार्बर में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मैं मतभेदों की खबरों को खारिज करते हुए कहना चाहता हूं कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में हम सब एकजुट हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसी खबरें भी आ रही थी कि मैंने टीएमसी में निष्क्रिय होने का फैसला लिया है।

इस तरह की खबरें अपवाह के अलावा कुछ नहीं हैं। लोकसभा चुनाव नजदीक आने के साथ मेरे पास अपने निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार करने की जिम्मेदारियां हैं। इसका ये मतलब नहीं कि मुझे अगर जिम्मेदारी दी गई, तो मैं पार्टी में योगदान नहीं दूंगा। अभिषेक बनर्जी ने आगामी लोकसभा चुनाव से पहले अपने डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र में वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक पेंशन योजना शुरू की। हालांकि, विपक्षी भाजपा ने इस पहल के लिए आवश्यक धन के स्रोत पर सवाल उठाया। श्रोद्धर्गायो पहल के तहत 16,380 पार्टी स्वयंसेवक पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के लोकसभा क्षेत्र में 76,000 बुजुर्गों को 1,000 रुपये की मासिक पेंशन प्रदान करने के लिए धन का योगदान देंगे।

कांग्रेस ने यूपी में लोस चुनावों की तैयारी की तेज

» सभी 80 सीटों पर कांग्रेस ने बनाए प्रभारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इंडिया गठबंधन के साथ सीटों के बंटवारे की चर्चाओं के बीच कांग्रेस ने यूपी की सभी 80 सीटों पर प्रभारी घोषित कर दिए हैं। हालांकि कांग्रेस के यूपी प्रभारी अविनाश पांडेय यह कह चुके हैं कि लोकसभा चुनावों में कांग्रेस इंडिया गठबंधन के साथ ही मैदान में जाएगी।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से सभी प्रभारी को निर्देश दिया गया है कि वह संबंधित लोकसभा क्षेत्र में चुनाव की तैयारी करें। इसमें मुजफ्फरनगर का प्रभारी गौरव भाटी, रामपुर का हाजी इमरान कुरेशी, संभल का अफरोज अली खान, गौतम बुद्ध नगर की डाली शर्मा, अलीगढ़ का कौशलेंद्र यादव, खीरी का राकेश राठौर, रायबरेली का इंदल रावत अमेठी का मनीष मिश्रा को प्रभारी बनाया गया है।

कोई गठबंधन आसानी से नहीं होता : रालोद

लखनऊ। जयंत चौधरी ने इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे पर कहा सीट शेयरिंग पर बात चल रही है। हम पूरे यूपी में लड़ रहे हैं, इंडिया गठबंधन के घटक दलों की बात कुछ ही समय में तय हो जाएगी। समाजवादी पार्टी और लोकदल के बीच बातचीत चल रही है। हमलोग तय कर लेंगे। रणनीति बनती है तो पर्दे के पीछे चीजें तय होती है। उन्होंने कहा कि जब भी कोई गठबंधन होता है तो आसानी से नहीं होता है। हर पार्टी की अपनी आवश्यकता होती है, हर कोई अपनी पार्टी को बढ़ाना चाहता है मैं भी चाहता हूं कि हमारे कार्यकर्ताओं के साथ भी न्याय हो। लेकिन हम एक बड़े उद्देश्य को लेकर चल रहे हैं। हमारे बीच रिश्ते बहुत अच्छे हैं और आपस में एक सम्मान है।

सपा ने लिये दलित-विरोधी फैसले : मायावती

» बोलीं- जो भी हमसे गठबंधन की बात करता है सपा उसे भड़का देती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सपा व पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सपा अति-पिछड़ों के साथ-साथ जबरदस्त दलित-विरोधी पार्टी भी है। बसपा ने पिछले लोकसभा चुनाव में सपा से गठबंधन करके इनके दलित-विरोधी चाल, चरित्र व चेहरे को थोड़ा बदलने का प्रयास किया लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद ही सपा फिर अपने दलित-विरोधी जातिवादी एजेण्डे पर आ गई।

सोमवार को जारी अपने बयान में मायावती ने कहा कि अब सपा मुखिया जिससे भी गठबंधन की बात करते हैं उनकी पहली शर्त बसपा से दूरी बनाए रखने की होती है जिसे मीडिया भी खूब प्रचारित करता है। वैसे भी सपा के 2 जून 1995 सहित घिनौने कृत्यों को देखते हुए व इनकी सरकार के दौरान जिस प्रकार से अनेकों दलित-विरोधी फैसले लिये गये हैं। जिनमें बसपा यूपी स्टेट आफिस के पास ऊंचा पुल बनाने का कृत्य भी है, जहां से षडयंत्रकारी अराजक तत्व पार्टी दफ्तर, कर्मचारियों व राष्ट्रीय प्रमुख को भी हानि पहुंचा सकते हैं। जिसकी वजह से पार्टी को महापुरुषों की प्रतिमाओं को वहां से हटाकर पार्टी प्रमुख के निवास पर शिफ्ट करना पड़ा। इस असुरक्षा को देखते हुए सुरक्षा सुझाव पर पार्टी प्रमुख को अब पार्टी की अधिकतर बैठकें अपने निवास पर करने को मजबूर होना पड़ रहा है जबकि पार्टी दफ्तर में होने वाली बड़ी बैठकों में पार्टी प्रमुख के पहुंचने पर वहां पुल पर सुरक्षाकर्मियों की अतिरिक्त तैनाती करनी पड़ती है। ऐसे हालात में बसपा यूपी सरकार से वर्तमान पार्टी प्रदेश कार्यालय के स्थान पर अन्यत्र सुरक्षित स्थान पर व्यवस्था करने का भी विशेष अनुरोध करती है वरना फिर यहां कभी भी कोई अनहोनी हो सकती है।

बीएसपी का खुद का रुख किसी को पता नहीं : जयंत

इंडिया गठबंधन को लेकर अब सपा प्रमुख अखिलेश यादव को आरएलडी चीफ जयंत चौधरी का साथ मिला है। जब जयंत चौधरी से पूछा गया कि क्या आरएलडी बीएसपी को गठबंधन में लेकर आ रही है? इसपर उन्होंने कहा, मैं देखता रहता हूं बहुत रिपोर्ट होती है। कोई पक्ष में बोलता है और कोई विपक्ष में बोलता है, सच्चाई ये है कि बीएसपी का खुद का रुख नहीं है, ये चर्चा आप भी चला रहे हो लेकिन क्या आपने उनके तरफ से कोई बयान सुना है कि मैं इंडिया गठबंधन में आने चाहती हूं।

दिल्ली में कराए गये काम से डरे मोदी : भारद्वाज

» कहा- भाजपा आप के खिलाफ रच रही साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप नेता सौरव भारद्वाज ने कहा कि भाजपा का मकसद आप को खत्म करना है। जितना कम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में किया है उसे देखकर प्रधानमंत्री डरे हुए हैं। आप देश के अन्य राज्यों में अपने काम के दम पर सफलता हासिल कर रही है।

आप के मोहल्ला क्लीनिक, फ्री बिजली और बुजुर्गों को मुफ्त में यात्रा करवाने जैसी कई सुविधाओं से जनता बेहद खुश है। जनता को मिल रही सुविधाओं को देखते हुए भाजपा डरी हुई है यही कारण है कि भाजपा ने षड्यंत्र रचते हुए पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को जेल में बंद कर रखा है। इसके पीछे कारण बताया जा रहा है कि प्रवर्तन निदेशालय के संबंध के बाद अगर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गिरफ्तार होते हैं तो ऐसे में क्या उन्हें जेल से सरकार चलानी चाहिए या इस्तीफा देना चाहिए। इसी क्रम में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरव भारद्वाज ने भी मैं भी केजरीवाल जन संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लिया और दिल्ली की जनता की राय जानी।

छापेमारी से होगी वोटों की सेंधमारी

विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी से डेढ़ सौ से ज्यादा सीटें होगी प्रभावित

- ईडी की रेड से पूरे देश में बवाल
- विपक्ष का बीजेपी व केंद्र पर हमला
- नेता बोले - चुनाव आते ही जांच एजेंसियों बनतीं है हथियार
- ईडी में गिरफ्तारी से कई सीटें पर पड़ेगा असर
- दो मुख्यमंत्रियों पर गिरफ्तारी की तलवार

गीताश्री/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूरे देश में इस समय ईडी को लेकर बवाल मचा हुआ है। जहां बीजेपी की मोदी सरकार विपक्षी नेताओं क्या गिन-गिन कर ईडी ने छापे डलवा रही है तो विपक्ष हमलावर होते हुए आरोप लगा रहे हैं कि चुनाव के आते ही बीजेपी के कहने पर सरकार विपक्षी नेताओं को बदनाम करने के फिराक में लगी रहती है। इस बीच दिल्ली व झारखंड के सीएम व बिहार के डिप्टी सीएम ने ईडी के कई बार दिए गए समनों को नजरअंदाज करते हुए हाजिर होने से मना दिया है। इसको लेकर सियासत अभी हो ही रही थी कि बंगाल में राशन घोटाले की जांच में गई इडी टीम के ऊपर हमला हो गया। इस हमले के बाद वहां ममता सरकार बीजेपी व कांग्रेस के निशाने पर आ गई। उधर यह भी चर्चा तेजी पकड़ रही है चूकि 24 के चुनाव नजदीक है इन राज्यों सैकड़ों लोक सभा सीटें जुड़ी है ऐसे में बीजेपी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्ष को खलनायक बनाकर चुनावों में लाभ लेना चाहती है लाभ कितना मिलेगा यह तो आम चुनाव के बाद ही पता चलेगा।

चुनाव से पहले अगर किसी बड़े विपक्षी नेता की गिरफ्तारी हो जाए तो कितनी सीटों पर असर होगा, यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे राजनीतिक स्थिति में बदलाव आ सकता है। जब किसी नेता को गिरफ्तार किया जाता है, तो उसके खिलाफ चुनावी प्रचार में बदलाव आता है और उसकी पार्टी को इससे नुकसान हो सकता है। पांच राज्यों के बड़े विपक्षी नेताओं पर ईडी का शिकंजा कसा हुआ है। अगर किसी विपक्षी नेता की गिरफ्तारी होती है तो इसका लोकसभा की 151 सीटों पर बड़ा असर देखने को मिल सकता है। इनमें दिल्ली की 7, झारखंड की 14, पश्चिम बंगाल की 42, महाराष्ट्र की 48 और बिहार 40 सीटें शामिल हैं। यही नहीं, 206 लोकसभा सीटों पर सीधे बीजेपी-कांग्रेस में टक्कर की संभावना है.।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। दोनों ही नेता अपनी गिरफ्तारी का दावा कर रहे हैं। केंद्रीय एजेंसी ईडी कथित शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री केजरीवाल को अबतक तीन बार और मनी लॉन्ड्रिंग के जुड़े मामले में हेमंत सोरेन को सात बार समन भेज चुकी है, मगर दोनों सीएम अभी तक ईडी के सामने पेश नहीं हुए। दोनों ही नेता समन को राजनीति से प्रेरित बता रहे हैं और केंद्र सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि लोकसभा चुनाव की तैयारी से पहले गिरफ्तार करने की साजिश की जा रही है ताकि मुख्यमंत्री चुनाव प्रचार न कर सकें। अरविंद केजरीवाल ने ईडी के समन को गैरकानूनी बताते हुए एजेंसी की मंशा पर सवाल उठाया. समन पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली में राज्यसभा चुनाव है पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के नाते वह बिजी हैं और मुख्यमंत्री होने के नाते 26 जनवरी की तैयारी में भी लगे हैं। लेकिन अगर जांच एजेंसी सवालों की कोई फेहरिस्त भेजना चाहे तो उनका जवाब देंगे।

नौ साल में ईडी का एक्शन पहले चार गुना बढ़ा

साल 2014 से मार्च 2023 तक नेताओं के खिलाफ ईडी का एक्शन पहले चार गुना बढ़ गया है। इन नौ सालों में 121 प्रमुख राजनेता जांच दायरे में आए. इनमें 95 फीसदी यानी कि 115 नेता विपक्षी हैं। वहीं यूपीए शासन में 2004 से 2014 तक कुल 26 नेता जांच दायरे में आए, जिनमें 54 फीसदी यानी कि 14 विपक्ष के थे। प्रमुख विपक्षी नेता जिन पर पिछले 9 सालों में ईडी शिकंजा कसा है उनमें राहुल गांधी, सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, तेजस्वी यादव, संजय राउत, अभिषेक बनर्जी, जयंत पाटिल, राघव चड्ढा, पी चिदंबरम, डीके शिवकुमार शामिल हैं। साल 1938 में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और दूसरे कांग्रेसी नेताओं ने मिलकर एसोसिएट्स जर्नल्स लिमिटेड नाम से एक कंपनी बनाई थी. ये कंपनी नेशनल हेराल्ड नाम से एक अखबार छापती थी, इसलिए इसे सरकार की ओर से बड़े शहरों में सस्ते दाम पर जमीनें मिली थी। बीजेपी सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने सबसे पहले धनशोधन का यह मामला उठाया था। साल 2013 में स्वामी ने गांधी परिवार के खिलाफ एक अदालत में धोखाधड़ी और धन के दुरुपयोग की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद से ईडी मामले की जांच कर रही है। मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी से भी पूछताछ की जा चुकी है। कांग्रेस के करीब 20 नेता जांच एजेंसी के घेरे में हैं।

चुनावी लाभ के लिए बीजेपी कर रही साजिश

अरविंद केजरीवाल आम आदमी पार्टी के संयोजक और स्टार प्रचारक हैं। दिल्ली और पंजाब में उनकी पार्टी की सरकार है। कुछ महीने बाद देश में लोकसभा चुनाव होना है। दिल्ली में लोकसभा की 7 सीटें हैं मगर अभी सभी सीटों पर बीजेपी का कब्जा है। केजरीवाल पूरी कोशिश में हैं कि इस बार लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन कर सकें। वहीं झारखंड के सीएम निशाने पर, यहां लोकसभा की 14 सीटें है। अब बात करते हैं ईडी के शिकंजे में फंसे दूसरे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की कथित अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग के जुड़े मामले में ईडी हमेंत सोरेन के करीबियों के ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है. इस कारण झारखंड की राजनीति में इस वक्त काफी उठापठक चल रही है। राज्य की 81 विधानसभा सीटों पर इसी साल के अंत में चुनाव होने हैं। वहीं लोकसभा की 14 सीटें हैं, इनमें 11 सीटों पर अभी बीजेपी का कब्जा है। अगर सोरेन की गिरफ्तारी हो जाती है तो लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनाव में उनकी पार्टी भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है। इससे सबसे बड़ा फायदा बीजेपी को होगा। बीजेपी सोरेन पर लगातार वंशवाद को बढ़ावा देने और भ्रष्टाचार का आरोप लगा रही है। उधर अभी इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर स्थिति साफ नहीं है।

केंद्र पर जांच एजेंसी के दुरुपयोग का आरोप, सरकार ने नकारा

ये सभी विपक्षी नेता केंद्र सरकार पर जांच एजेंसी के दुरुपयोग का आरोप लगाते रहे हैं. राजनीति से प्रेरित बता रहे हैं। खुद पर लगे सभी आरोपों को झूठा बता रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि ये बदले की कार्रवाई है और ये सिर्फ विपक्षी नेताओं पर होती है, बीजेपी के किसी नेता पर कुछ एक्शन नहीं लिया जाता है। वहीं बीजेपी नेता कहते हैं कि एजेंसी अपना काम कर रही है, इसका चुनाव से कोई संबंध नहीं है। पीएम नरेंद्र मोदी भी अपने भाषणों में अक्सर विपक्ष खासकर कांग्रेस पर भ्रष्टाचार को लेकर निशाना साधते रहे हैं. पीएम मोदी ने एक भाषण में कहा था कि वह न तो खाएंगे न और खाने देंगे। प्रवर्तन निदेशालय पर विपक्ष पक्षपात करने का आरोप लगाता रहता है. कुछ विपक्षी नेताओं ने सेंट्रल एजेंसी को बीजेपी की कठपुतली भी कहा है। इन आरोपों पर प्रवर्तन निदेशालय के पूर्व संयुक्त सचिव सत्येंद्र सिंह कहते हैं कि अगर एजेंसी कार्रवाई करती है तो इसका मतलब शुरुआती जांच के आधार पर उनके पास कुछ न कुछ सबूत है. अगर उन्हें यह कार्रवाई गलत लगती है तो सभी नेताओं के पास अदालत जाकर अपनी बात रखने का विकल्प है. वहां अपना पक्ष रख सकते हैं.। सत्येंद्र सिंह ने ये भी कहा कि चुनाव से पहले ईडी की कार्रवाई कोई नई बात नहीं है, ऐसा पहले भी हुआ है. साल 2014 से पहले भी सेंट्रल एजेंसी ने विपक्षी नेताओं पर कार्रवाई की थी. तब आंकड़े भले ही कम थे लेकिन क्या वो चुनावी एक्शन था?

लोकसभा में बीजेपी-कांग्रेस में सीधे 206 सीटों पर टक्कर

चुनाव से पहले अगर राहुल गांधी पर ईडी अपना शिकंजा कसती है तो कांग्रेस पार्टी पर बहुत बुरा असर पड़ेगा, क्योंकि राहुल ही पार्टी का मुख्य चेहरा हैं. मल्लिकार्जुन खरगे पार्टी अध्यक्ष हैं, कांग्रेस अभी तीन राज्यों कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश पर शासन कर रही है। 2019 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 206 सीटों पर दूसरे नंबर पर रही थी, जबकि 52 सीटों पर पार्टी ने जीत हासिल की थी. कांग्रेस के किसी भी नेता गिरफ्तारी पर 206 सीटों पर पार्टी को इस बार भी चुनाव में नुकसान झेलना पड़ सकता है। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और पूर्व सीएम राबड़ी देवी पर जमीन के बदले रेलवे में सरकारी नौकरी देने का आरोप है. जांच एजेंसियों का आरोप है कि यूपीए सरकार के दौरान साल 2004 से 2009 तक रेल मंत्री के रूप में लालू यादव के कार्यकाल के दौरान नियम-कानूनों का उल्लंघन करते हुए और बिना किसी पब्लिक सूचना के अपने पसंदीदा उम्मीदवारों को नौकरी की गई। रेलवे में नौकरी पाने के लिए उम्मीदवारों ने यादव परिवार के कुछ सदस्यों को काफी कम कीमत पर जमीन बेची। इस कथित भूमि घोटाला मामले में नई चार्जशीट दाखिल होने के बाद 4 अक्टूबर 2023 को अदालत ने तेजस्वी यादव, लालू यादव, राबड़ी देवी और अन्य को जमानत दे दी थी. ईडी तीनों नेताओं को कई बार समन भेजकर पूछताछ के लिए बुला चुकी है।

महाराष्ट्र से बिहार तक रार

तेजस्वी यादव बिहार विधानसभा में विपक्ष के मुखर नेता और देश के सबसे युवा विपक्षी नेता हैं। महज 26 साल की उम्र में उन्हें बिहार का उप मुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ. हालांकि इस वक्त बिहार की राजनीति में जबरदस्त हलचल है। बीजेपी सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का कहना है कि लालू यादव 14 जनवरी से पहले तेजस्वी यादव को राज्य का मुख्यमंत्री बनवा देंगे, नीतीश कुमार को ये समझाने की कोशिश की जा रही है कि वह मुख्यमंत्री बहुत रह लिए, अब उन्हें प्रधानमंत्री होना चाहिए। बिहार में लोकसभा की 40 सीटे हैं, फिलहाल अभी आरजेडी के पास एक भी सीट नहीं है। पिछले चुनाव में जब सीएम नीतीश कुमार बीजेपी के साथ थे तो गठबंधन ने 40 में से 39 सीटें जीती थी। एक सीट कांग्रेस को मिली थी। इंडिया गठबंधन में शामिल आरजेडी इस बार 8 से 10 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है लेकिन अगर ईडी का शिकंजा कसता है तो इन सीटों पर पार्टी को नुकसान झेलना पड़ सकता है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत को अगस्त 2022 में पात्रा चॉल जमीन घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में 9 घंटे तक पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया था. फिलहाल वह जमानत पर हैं। आरोप है कि चॉल जमीन घोटाला मामले में करीब 1034 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई है। महाराष्ट्र आवास विकास प्राधिकरण ने साल 2007 में संजय राउत के रिश्तेदार प्रवीण राउत की गुरु आशीष कंस्ट्रक्शन कंपनी को गोरेगांव के सिद्धार्थ नगर स्थित पात्रा चॉल के री-डेवलपमेंट का काम दिया था। उद्धव ठाकरे की पार्टी के सेनापति हैं राउत! शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत राज्यसभा से सांसद हैं. उन्हें उद्धव ठाकरे का बेहद करीबी माना जाता है। शिवसेना यूबीटी संजय राउत को आगामी लोकसभा चुनाव में उतार सकती है। वह मुंबई की नार्थ ईस्ट लोकसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं. उद्धव ठाकरे की पार्टी में जून 2022 में बड़ी बगावत हुई थी. उनकी पार्टी के कई विधायक और सांसद एकनाथ शिंदे के गुट में शामिल हो गए थे. उस सबसे मुश्किल में भी राउत उद्धव ठाकरे के खड़े रहे थे। महाराष्ट्र में लोकसभा की कुल 48 सीटें हैं. इनमें अभी सबसे ज्यादा 23 सीटें बीजेपी के पास है। 18 सीटें शिवसेना ने जीती थीं। शिवसेना यूबीटी इंडिया गठबंधन में शामिल हैं. गठबंधन में सीटों का बंटवारा होने के बाद शिवसेना यूबीटी आगामी लोकसभा में 20-25 सीटों पर उम्मीदवार उतार सकती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी भी ईडी के रडार पर हैं। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले के सिलसिले में टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी रुजिरा से ईडी कई बार पूछताछ कर चुकी है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पुरुषों को बदलनी होगी मानसिकता

हाल ही में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचुड़ ने भी कई मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी और न्यायिक प्रक्रिया ही कार्यपालिका व विधायिका कर कार्यप्रणाली को भी कई निदेश दिए। उन्होंने इसी के मद्देनजर एक महिला जज द्वारा शोषण का मामला सामने आने के बाद तुरंत उस पर गंभीरता से कार्यवाही शुरू करवाई थी। यहीं नही समय-समय पर अन्य हाईकोर्टस के बेंच भी ऐसे निर्देश दे चुके हैं ताकि समाजिक व्यवस्था में अनुचित व्यवहार न हो।

सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ जज का कथन आज कल चर्चा में चल रही है। जिसमें उन्होंने कहा कि परिवार संस्था बचाने के लिए पुरुषों को अपनी मानसिकता बदलनी होगी। आज कल जूडिशियरी हर मुद्दे पर तुरंत संज्ञान लेकर उस पर टिप्पणी करती रहती है। हाल ही में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचुड़ ने भी कई मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी और न्यायिक प्रक्रिया ही कार्यपालिका व विधायिका कर कार्यप्रणाली को भी कई निदेश दिए। उन्होंने इसी के मद्देनजर एक महिला जज द्वारा शोषण का मामला सामने आने के बाद तुरंत उस पर गंभीरता से कार्यवाही शुरू करवाई थी। यहीं नही समय-समय पर अन्य हाईकोर्टस के बेंच भी ऐसे निर्देश दे चुके हैं ताकि समाजिक व्यवस्था में अनुचित व्यवहार न हो। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि परिवार संस्था और शादी को बचाना जरूरी है लेकिन इसके लिए पुरुषों को अपने आप को दूसरों से अहम समझने वाले व्यक्तित्व को छोड़ना होगा। उन्होंने ये भी कहा कि शादी में महिलाओं की अहमियत को भी मानना पड़ेगा और उन्हें कमतर समझना बंद करना होगा। 28वें जस्टिस सुनंदा भंडारे मेमोरियल लेक्चर में अपने संबोधन में जस्टिस बीवी नागरत्ना ने यह बात कही।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि महिला और पुरुष दोनों शादी के दो अहम स्तंभ हैं। परिवार की अहम भूमिका होती है लेकिन घरेलू हिंसा की घटनाएं बढ़ रही हैं। पुरुषों को अपने आप को अहम मानने वाले व्यक्तित्व को छोड़ना पड़ेगा। शादी और परिवार संस्था का बना रहना जरूरी है और यह खुशी और परिवार और महिलाओं की बेहतरी पर आधारित होना चाहिए। परिवार में अगर महिलाओं की पहचान खत्म होगी तो एक ना एक दिन शादी का टूटना तय है। हर सफल व्यक्ति के पीछे परिवार होता है। महिलाओं की भूमिका को शादी में कमतर नहीं आंका जाना चाहिए। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि शादी टूटने का असर बच्चों पर भी पड़ता है। उल्लेखनीय है कि जस्टिस बीवी नागरत्ना साल 2027 में देश की पहली मुख्य न्यायाधीश नियुक्त होंगी। देश के कार्यबल में महिलाओं की स्थिति पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि महिलाओं के गर्भवती होने पर उनसे पूछा जाता है कि उन्हें अंतिम बार पीरियड कब हुआ था। निजी क्षेत्र में अगर कोई महिला बच्चे को जन्म देने के लिए छुट्टी लेती है तो जब वह वापस आती है तो वह पाती है कि उसकी जगह कोई और नियुक्त कर लिया गया है, यह नहीं चल सकता। ऐसे मामले भी नहीं आने चाहिए जिसमें महिलाओं के आत्म सम्मान आहत होते है। पुरुषों को ऐसा कोई भी कृत्य नही करना चाहिए जिससे की महिला को व्यथित होना पड़े।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सधी हुई चाल चल रहे हैं हेमंत सोरेन

चेतनादित्य आलोक

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से भेजे गए समन के मद्देनजर झारखंड के राजनीतिक गलियारों में यह कयास लगाया जा रहा है कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की तरह ही इस बार झारखंड में हेमंत सोरेन भी पत्नी कल्पना सोरेन को राजनीतिक विरासत सौंप सकते हैं। दरअसल, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय की ओर से सातवीं बार भेजे गए समन को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं समेत आईएनडीआईए गठबंधन के तमाम राजनीतिक दलों के बीच झारखंड सरकार के भविष्य को लेकर ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है। यही कारण है कि कांग्रेस के राज्य विधायक दल ने भी आनन-फानन में तीन जनवरी को एक बैठक आहूत की, जिसमें राज्य के चारों मंत्रियों समेत 13 विधायक तथा राज्य कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने भी भाग लिया। हालांकि, कांग्रेस की ओर से मीर ने बैठक को लेकर मीडिया से इतना ही कहा कि विधायकों के साथ बैठक काफी अच्छी रही।

देखा जाए तो कांग्रेस की यह बैठक वास्तव में अपने विधायकों की नब्ज टटोलने की एक कोशिश भर थी। दरअसल, कांग्रेस पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को यह डर सता रहा है कि कहीं संकट की घड़ी में उनके विधायक टूट न जाएं। इसीलिए कांग्रेस के आलाकमान ने राज्य कांग्रेस के प्रभारी मीर को रांची भेजकर विधायकों को एकजुट रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जाने की बात कही होगी। इस बात में वजन इसलिए भी है, क्योंकि झारखंड में आईएनडीआईए गठबंधन के भीतर यदि सबसे अधिक खतरा किसी पार्टी के टूटने का है तो वह कांग्रेस ही है, क्योंकि संकट की घड़ी आने पर सबसे पहले कांग्रेसी विधायक ही इधर-से-उधर होते पाए गए हैं। इससे पहले भी एक बार झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार के गिरने की खबर फैली थी, जब राजनीतिक गलियारों में यह बात खूब उछली थी कि कई कांग्रेसी विधायक भाजपा के कुछ केंद्रीय एवं स्थानीय नेताओं के संपर्क में लगातार बने हुए हैं। उस समय कांग्रेसी विधायकों की आलाकमान से नाराजगी उनके टूटने की वजह बताई जा रही थी।

तब पार्टी को तोड़कर भाजपा में शामिल होने के कथित आरोपी विधायकों का बंगाल कनेक्शन खुलकर सामने आया था। शायद इसीलिए कांग्रेस पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व झारखंड सरकार पर आने वाले संकट को भांपकर पहले ही अपनी

तैयारी पूरी कर लेना चाहता था। उधर झामुमो के भीतर ईडी की ओर से मुख्यमंत्री सोरेन को भेजे गए समन को लेकर अलग ही भय का माहौल बना हुआ है, क्योंकि केंद्रीय एजेंसी की ओर से उन्हें सातवीं बार समन भेजा गया था, जिसे आखिरी समन बताया जा रहा है। हालांकि उसे षड्यंत्र का हिस्सा बताते हुए मुख्यमंत्री इस बार भी ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए और उन्होंने समन का गोल-मोल जवाब भेज दिया। देखा जाए तो ईडी को जवाब भेजकर उन्होंने खानापूर्ति भले ही कर ली हो, लेकिन वे भी जानते हैं कि उनके ऊपर ईडी की तलवार हर वक्त लटक रही है, जिससे अब उनका बचना बेहद कठिन ही नहीं, बल्कि असंभव प्रतीत होने लगा है। इसका प्रमुख कारण इस मामले में ईडी का वह अल्टीमेटम है, जो एजेंसी ने मुख्यमंत्री को समन के साथ भेजा था। उसमें एजेंसी ने मुख्यमंत्री से साफ-साफ कहा था कि या तो पूछताछ के लिए वे स्वयं उपस्थित हों अथवा केंद्रीय एजेंसी को स्थान और तिथि बताएं, ताकि उनसे पूछताछ की जा सके। बहरहाल, अब इस मामले में यह संभावना जताई जा रही है कि केंद्रीय एजेंसी वैधानिक प्रक्रियाएं अपनाकर पूछताछ करने के लिए मुख्यमंत्री को हिरासत में ले सकती है। संभव है कि विपक्ष के नेता हेमंत सोरेन के इस कदम को मूर्खतापूर्ण मानने की गलती कर दें, लेकिन सच तो यह है कि गिरफ्तारी अथवा ईडी द्वारा हिरासत में लिए जाने की स्थिति में सोरेन जनता के बीच स्वयं को पीड़ित (विक्टिम) दिखाकर आगे की राजनीति साधने की तैयारी में हैं। यही नहीं, हर स्थिति में वे राज्य का सिंहासन अपने ही किसी करीबी (शायद पत्नी) के पास रखना चाहते हैं।

तभी तो तीन जनवरी को आनन-फानन में आईएनडीआईए गठबंधन के तमाम सहयोगी दलों के विधायकों के साथ मुख्यमंत्री आवास में बैठक कर उन्हें रांची से दूर जाने से मना करते हुए यह कहा था कि फिलहाल वे उतनी ही दूरी पर रहें कि जरूरत पड़ने पर तीन घंटे के भीतर मुख्यमंत्री आवास तक पहुंच सकें। भाजपा विधायक दल के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबुलाल मरांडी ने भी हेमंत सोरेन पर हमला करते हुए विधायकों को बरगलाने का आरोप लगाया है। बहरहाल, पल-पल बदलते राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच हेमंत सोरेन की बेहद सधी चालों पर यदि गौर किया जाए तो मालूम होता है कि मुख्यमंत्री फिलहाल अपने पत्ते खोलने वाले नहीं हैं, बल्कि वे 'वेट एण्ड वॉच' की रणनीति पर चलते हुए ईडी के अगले कदम पर नजर बनाए हुए हैं।

विदेशी विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के लिए नहीं रामबाण

डॉ. सुखदेव सिंह

भारतीय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा 'भारत में विदेशी उच्च शैक्षणिक संस्थानों के परिसरों की स्थापना और संचालन' नियम, 2023 जारी करने के बाद अब विदेशी उच्च शिक्षण संस्थान भारत में अपने स्वयं के परिसर स्थापित करके सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स से लेकर स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट और पोस्ट-डॉक्टरल स्तर की शिक्षा प्रदान करने की अनुमति के लिए आवेदन कर सकते हैं। ऐसे संस्थानों के लिए पात्रता मानदंड यह है कि वे समग्र या प्रासंगिक विषय में वैश्विक रैंकिंग के अनुसार शीर्ष 500 संस्थानों में से एक हों। या वे अपने गृह क्षेत्राधिकार में 'प्रतिष्ठित' हों। दरअसल, विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों को भारत में परिसर स्थापित करने की अनुमति देने की नीति और विनियमों का उद्देश्य भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली का वैश्वीकरण करना है।

साथ ही भारतीय छात्रों को अपने ही देश में 'सस्ती लागत' पर 'दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों' से शिक्षा प्राप्त करने का अवसर देकर उन्हें देश छोड़ने और विदेश में शिक्षा पर खर्चे के रूप में पूंजी का बाहर बहाव रोकने के अलावा भारत को एक वैश्विक शिक्षा गंतव्य के रूप में विकसित करना बताया गया है। इस निर्णय के मूल में भारतीय युवाओं की विदेश में पढ़ाई करने की बढ़ती प्रवृत्ति बताई जा रही है। इस प्रवृत्ति के परिणामस्वरूप भारत से प्रतिभा पलायन और पूंजी का बाहर बहाव हो रहा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, जनवरी, 2023 तक लगभग 15 लाख भारतीय छात्र विदेश में पढ़ रहे थे, जबकि 2022 में यह संख्या 13 लाख थी। 2024 तक इसके 18 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है। ये छात्र विदेश में शिक्षा पर करीब 75-85 अरब डॉलर खर्च करेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2021-22 में विदेश जाने वाले छात्रों द्वारा विदेशी मुद्रा में 5 अरब रुपये की राशि खर्च की गई। इनमें से अधिकतर छात्र पढ़ाई के बाद घर लौटने के बजाय वहीं बस जाते हैं।

इस कदम को भारतीय उच्च शिक्षा में एक क्रांतिकारी कदम के रूप में सराहा जा रहा है। यह तर्क दिया जा रहा है कि विदेशी विश्वविद्यालय न केवल अपने साथ शैक्षिक उत्कृष्टता लाएंगे, बल्कि भारतीय विश्वविद्यालयों को भी अकादमिक उत्कृष्टता के लिए प्रोत्साहित करेंगे। भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों की भविष्य की उपस्थिति को मूल रूप से शैक्षणिक गतिविधि, नवाचार और उत्कृष्टता पैदा करने के उत्प्रेरक के रूप में पेश किया जा रहा है। सतही स्तर पर, सब कुछ ठीक ही लगता है, भावना अच्छी है और लक्ष्य प्राप्त करने योग्य लगते हैं; लेकिन भीतर से प्रेरणा-स्रोत खोखला है और उद्देश्य डगमगा रहा है। सबसे पहली बात तो यह कि विदेश में दाखिला लेने वाले अधिकांश भारतीय छात्रों की रुचि मुख्य रूप से शिक्षा की बेहतर गुणवत्ता से अधिक वीजा प्राप्त करके वहां काम खोजने और बसने में होती है। विदेशों में भारतीय युवाओं का आकर्षण बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए तो है ही, लेकिन इससे भी ज्यादा वहां योग्यता और क्षमता के आधार पर बेहतर रोजगार के अवसरों, गैर-भेदभावपूर्ण कार्य और वेतन प्रणाली, कानूनी समानता के आधार पर हस्तक्षेप-मुक्त सुरक्षित और विनियमित जीवन के लिए है, जो उन्हें भारत में नहीं मिलता।

उनमें से कई तो निचली रैंक वाले कॉलेजों में दाखिले होने से भी संतुष्ट होते हैं, बशर्ते उन्हें वीजा और विदेश में काम करने का अवसर मिल जाए। फिर वे उच्च-शिक्षित उच्च-स्तरीय काम की तलाश करते हैं, जबकि मध्यम-स्तर के शिक्षित लोग विदेशों में सम्मानपूर्वक बेहतर वेतन मिलने और काम-आधारित भेदभाव न होने के कारण छोटी नौकरियों और शारीरिक श्रम वाले काम कर के भी वहां बसने से खुश होते हैं। इनटू यूनिवर्सिटी पार्टनरशिप सर्वेक्षण के अनुसार, 'विदेश में पढ़ाई करने के इच्छुक 76 प्रतिशत भारतीय छात्र अपनी अंतर्राष्ट्रीय डिग्री के बाद विदेश में काम करने या बसने की योजना बनाते हैं और केवल 20 प्रतिशत ही विदेश में पढ़ाई के तुरंत बाद भारत लौटने की योजना बनाते हैं।' यहां तक कि भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अच्छी नौकरी वाले लोग भी विदेश में रहने की इच्छा रखते हैं। इसलिए भारत में विदेशी विश्वविद्यालय खोलना विदेश में पढ़ाई करके वहीं बसने का विकल्प तो नहीं हो सकता। विदेशी विश्वविद्यालय भारतीय छात्रों को भारत में शिक्षा विकल्प तो प्रदान कर सकते हैं, लेकिन विदेश में बसने का तो बिलकुल नहीं।

वास्तव में वैश्विक अवसरों की तलाश करने वाले छात्र विदेशी विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा को साधन के रूप में उपयोग करते हैं जो वह तब तक जारी रखेंगे जब तक भारत में रोजगार, मेहनताना और सामाजिक-राजनीतिक हालात विदेश जैसे न हों। इसलिए इनटू सर्वेक्षण सही है कि बड़ी संख्या में भारतीय छात्र (41 प्रतिशत) विदेश में ही पढ़ाई करना पसंद करेंगे, भले ही भारत में विश्वविद्यालयों का शिक्षा मानक विदेशी विश्वविद्यालयों के समान हो क्योंकि वहां उच्च वेतन और कम जटिल जीवन के अधिक अवसर हैं। दूसरी बात यह कि वैश्विक नौकरियों और बेहतर काम के अवसरों की अनुपस्थिति और एक असहिष्णु और भेदभावपूर्ण सामाजिक वातावरण की उपस्थिति के कारण, पड़ोसी देश चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, स्लाव और मध्य पूर्वी देशों के छात्रों के लिए, पश्चिमी और यूरोपीय देशों की तर्ज पर भारत के लिए एक आकर्षक शैक्षिक गंतव्य बनने की संभावना कम है। एक शैक्षणिक संस्थान विषय ज्ञान, कौशल और अनुभव हासिल करने का स्थान होता है।

पॉपकर्न

सर्दियों में पॉपकर्न हेल्दी स्नैक्स है। इसे खाने के कई बड़े फायदे हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। इसे खाने से पेट ज्यादा देर तक भरा रहता है और वजन कम होने में मदद मिलती है। पॉपकॉर्न में कैलोरी काफी कम होती है। जो अन्य स्नैक्स की तुलना में लगभग 5 गुना कम है। इसमें फैट भी काफी कम होता है और इसका नेचुरल आयल शरीर के लिए जरूरी भी होता है और हेल्दी भी।

स्वीट पोटैटो

स्वीट पोटैटो सर्दियों के लिए शानदार स्नैक्स आइटम है। इसमें फाइबर, विटामिन और खनिज पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। आप इसका इस्तेमाल सलाद या सैंडविच में भी कर सकते हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट शकरकंद के पोषक गुणों को भी बढ़ाते हैं और कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। यही नहीं, एक बार जब शिशु ठोस खाद्य पदार्थों लेना शुरू कर देते हैं, तो शकरकंद एक अच्छा बेबी फूड भी है।

बनाना ब्रेड

बनाना ब्रेड से बनने वाली ब्रेड एक वीगन डाइट है। ब्रेड कई तरह से बनाई जाती है और ज्यादातर में अंडे का प्रयोग किया जाता है। पके केले में पोटैशियम, विटामिन सी और विटामिन बी 6 जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सर्दियों में इम्युनिटी बढ़ाने में मददगार होते हैं। आप इसका इस्तेमाल कर ब्रेड बनाना सकते हैं। बनाना ब्रेड काफी स्वादिष्ट होता है। यह भी सर्दियों में स्नैक्स के लिए हेल्दी ऑप्शन है।

सर्दियों में आपके शरीर को गर्म रखेंगे ये स्नैक्स

सर्दियों के मौसम में लोगों की खाने की क्रेविंग बढ़ जाती है। ऐसे में लोग इस मौसम का लुत्फ उठाने के लिए चाय पकौड़े खाना खूब पसंद करते हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल में स्नैक्स के लिए कुछ हेल्दी ऑप्शन बताएंगे। जिन्हें खाने से आपका शरीर गर्म रहेगा और आप मौसमी बीमारियों से बच सकते हैं। सर्दियों के दौरान शरीर को स्वस्थ रखने के लिए स्नैक्स में पौष्टिक चीजें शामिल कर सकते हैं, जिन्हें खाने से सेहत को कई फायदे मिलेंगे।

अखरोट

पोषक तत्वों से भरपूर अखरोट सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। सर्दियों में शरीर को गर्म रखने के लिए आप अखरोट को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। इसमें हेल्दी फैट्स, विटामिन और खनिज पाए जाते हैं। अखरोट को मूंगफली या काजू के साथ मिलाकर खा सकते हैं। अखरोट में कैल्शियम ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। कैल्शियम दांतों और हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

मखाना

सर्दियों में स्नैक्स के लिए मखाना आपके लिए हेल्दी ऑप्शन है। आप इसका इस्तेमाल कर कई तरह के पौष्टिक स्नैक्स बना सकते हैं। इसे सर्दियों का एक महत्वपूर्ण स्नैक्स माना जाता है। इसमें फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है और कैलोरी की मात्रा कम होती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करते हैं। यह पाचन के लिए भी लाभदायक माना जाता है। मखाना हार्ट के लिए फायदेमंद माना जाता है। हृदय संबंधी समस्याओं में अगर आप मखाने को अपने ब्रेकफास्ट में शामिल करें तो यह लाभदायक होता है।

हंसना मना है

अभी सुबह न जाने किसका मुंह देखकर उठा था कि दिन का भोजन नसीब नहीं हुआ? पत्नी बोली-मेरी मानो, बेडरूम में लगे आइने को हटा दो, वरना रोजाना यही शिकायत रहेगी।

वकील ने कटघरे में खड़ी खूबसूरत महिला से पूछा- परसों रात को तुम कहां थी? युवती- अपने पड़ोसी के साथ रेस्तरां गई थी। वकील ने दूसरा सवाल पूछा- और कल रात को? युवती- मेरे एक दूसरे पड़ोसी के साथ। वकील ने धीरे से पूछा- और आज का तुम्हारा क्या कार्यक्रम है? दूसरा वकील चिल्लाया-ऑब्जेक्शन मी लॉर्ड! यह सवाल तो मैंने पहले ही पूछ लिया है!

हीरालाल ने कहा- मेरी पत्नी विवाह की वर्षगांठ जन्मतिथि के रूप में मनाती है। दोस्त बोला- और आप? हीरालाल-अपने जिंदगी की पुण्यतिथि के रूप में।

हवाई जहाज उड़ते ही एयर होस्टेस ने बल्लभ जी को कुछ टॉफी जैसी दवा लाकर थमा दी। ये किसलिए हैं? 'ये वायुयान नीचे उतरते वक्त आपके कानों की मदद के लिए हैं, तकि कानों में वायु दबाव स्थिर रहे। जब हवाई जहाज उतरा तो उसने बल्लभ जी से पूछा-'क्या टाफियों ने कुछ मदद की? 'कुछ विशेष नहीं। हां, जरा ये तो बताइए कि इन्हें कान में से कैसे निकालूं।

कहानी | ऊंट और गीदड़

एक जंगल में दो पक्के दोस्त गीदड़ और ऊंट रहते थे। गीदड़ काफ़ी चालाक था और ऊंट सीधा-सा। दोनों दोस्त घंटों नदी के पास बैठकर अपना सुख-दुख बांटते थे। एक दिन किसी ने गीदड़ को बताया कि पास के खेत में पके हुए तरबूज हैं। यह सुनते ही गीदड़ का मन ललचा गया। अब नदी को पार करके खेत तक पहुंचना उसके लिए मुश्किल था। सोचते-सोचते वो ऊंट के पास चला गया। ऊँट ने पूछा, मित्र, तुम यहां कैसे? तब गीदड़ ने बड़ी ही चालाकी से कहा, देखो मित्र, पास के ही खेत में पके तरबूज हैं। तुम उन्हें खाकर खुश हो जाओगे। इसलिए, तुम्हें बताने चला आया। ऊंट को तरबूज काफी पसंद था। वो बोला, वाह! मैं अभी उस गांव में जाता हूं। ऊंट जल्दी-जल्दी नदी पार करके खेत जाने की तैयारी करने लगा। तभी गीदड़ ने कहा, दोस्त, तरबूज मुझे भी अच्छे लगते हैं, लेकिन मुझे तैरना नहीं आता है। तभी ऊंट बोला, तुम चिंता मत करो, मैं तुम्हें अपनी पीठ पर बैठाकर नदी पार करवाऊंगा। फिर साथ में मिलकर तरबूज खाएंगे। ऊंट ने जैसा कहा था वैसा ही किया। खेत में पहुंच कर गीदड़ ने मन भरकर तरबूज खाए और खुश हो गया। खुशी के मारे वो जोर-जोर से आवाजें निकालने लगा। तभी ऊंट ने कहा, तुम शोर मत मचाओ, लेकिन वो माना नहीं। गीदड़ की आवाज सुनकर किसान डंडे लेकर खेत के पास आ गए। गीदड़ चालाक था, इसलिए जल्दी से पेड़ों के पीछे छुप गया। ऊंट का शरीर बड़ा था, इसलिए वो छुप नहीं पाया। किसानों ने गुस्से के मारे उसे बहुत मारा। किसी तरह अपनी जान बचाते हुए ऊंट खेत के बाहर निकला। तभी पेड़ के पीछे छुपा गीदड़ बाहर आ गया। गीदड़ को देखकर ऊंट ने गुस्से में पूछा, तुम क्यों इस तरह चिल्ला रहे थे? गीदड़ ने कहा कि मुझे खाने के बाद चिल्लाने की आदत है, तभी मेरा खाना पचता है। इस जवाब को सुनकर ऊंट को और गुस्सा आ गया। फिर भी वो चुपचाप नदी की ओर बढ़ने लगा। नदी के पास पहुंचकर उसने अपनी पीठ पर गीदड़ को बैठा लिया। इधर ऊंट को मार पड़ने से मन-ही-मन गीदड़ खुश हो रहा था। उधर नदी के बीच में पहुंचकर ऊंट ने नदी में डुबकी लगानी शुरू कर दी। गीदड़ डर गया और बोलने लगा, यह क्या कर रहे हो? गुस्से में ऊंट ने कहा, मुझे कुछ खाने के बाद उसे हजम करने के लिए नदी में डुबकी मारनी पड़ती है। गीदड़ को समझ आ गया कि ऊंट उसके किए का बदला ले रहा है। बहुत मुश्किल से गीदड़ पानी से अपनी जान बचाकर नदी किनारे पहुंचा। उस दिन के बाद से गीदड़ ने कभी भी ऊंट को परेशान करने की हिम्मत नहीं की।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। पारिवारिक सहयोग से कार्य में आसानी होगी।

वृषभ कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ होगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

मिथुन आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। लाभ होगा। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

कर्क नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। समाजसेवा में रुझान रहेगा।

सिंह धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा।

कन्या कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी। नया उपक्रम प्रारंभ करने की योजना बनेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

तुला किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी।

वृश्चिक व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है।

धनु अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें।

मकर व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें।

कुम्भ किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे।

मीन व्यवसाय ठीक चलेगा। मातहतों का सहयोग नहीं मिलेगा। कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा।

सुष्मिता ने रोहमन शॉल पर फिर से लुटाया प्यार

सुष्मिता सेन और रोहमन शॉल का रिलेशन और ब्रेकअप किसी से छुपा नहीं है। लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों दिसंबर 2021 में अलग हो गए थे। इसके बाद, सुष्मिता और ललित मोदी के अफेयर की चर्चाओं ने उस वक्त ज़ोर पकड़ लिया था, ललित ने अपने वेकेशंस से कई तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में सुष्मिता और उनकी बेटियां भी थी। इतना ही नहीं, ललित और सुष्मिता फोटोज को देखकर कोई भी कह सकता था कि दोनों के बीच जान-पहचान और दोस्ती से आगे का रिश्ता है।

खैर, ललित मोदी और सुष्मिता सेन दोनों के रिलेशनशिप को लेकर कई तरह की खबरें सामने आईं। लेकिन वक्त के साथ सब ठंडी पड़ गईं। अब सुष्मिता अपनी बेटियों के साथ खुश हैं। साथ ही रोहमन के साथ फिर से दिखने लगी हैं। पिछले साल भी वह कई बार रोहमन के साथ दिखीं। जिसके बाद दोनों के रिलेशनशिप को लेकर फिर से चर्चा से शुरू हुई। इन सबके बीच, सुष्मिता सेन ने अपने एक्स बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल को जन्मदिन की बधाई दी। रोहमन का बर्थडे 4 जनवरी को था। इस मौके पर सुष्मिता

ने एक्स बॉयफ्रेंड पर जमकर प्यार लुटाया। सुष्मिता और रोहमन 2018 से 2021 तक रोमांटिक रिलेशनशिप में रहे। 23 दिसंबर 2021 को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए उन्होंने अपने ब्रेकअप की घोषणा की।

सुष्मिता ने रोहमन शॉल संग शेयर की सेल्फी

अब रोहमन शॉल के जन्मदिन पर सुष्मिता ने एक मिरर सेल्फी शेयर की, जिसमें दोनों को विंटर आउटफिट में देखा जा सकता है। सुष्मिता ने ब्लैक कलर के जॉगर और मैचिंग लेदर जैकेट पहनी हुई है और ग्रे बीनी कैप और ग्रे बूट्स के साथ पेयर किया है। वहीं रोहमन ने ब्लैक जॉगर्स और मैचिंग जैकेट पहनी हुई है।

सुष्मिता सेन ने रोहमन शॉल को कहा- 'बाबू'

सुष्मिता सेन ने पोस्ट में लिखा है, हैप्पी बर्थडे बाबूशाह, ऐसे ही हमेशा खुश रहोज्तुम्हारे लिए ढेर सारा प्यार और ब्लेसिंग्स। रोहमन ने पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, 'थैंक यू बाबू'। वही, सुष्मिता की बेटी रेनी ने लिखा, आई लव दिस पिक्चर। सुष्मिता की दो गोद ली हुई बेटियां रेनी और अलीसा हैं।

इंडियन पुलिस फोर्स का जोरदार एक्शन सीन देख झूम उठे फैंस

रोहित शेट्टी की एक्शन सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। सीरीज से कलाकारों का लुक जारी होने के बाद मेकर्स ने फैंस को खास तोहफा देते हुए हाल ही में, इसका टीजर भी रिलीज कर दिया था। टीजर को देख फैंस का उत्साह को सातवें आसमान पर है। अब मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज कर दिया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल भी हो रहा है।

रोहित शेट्टी बॉलीवुड के सबसे सफल फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। वह सिम्बा, सिंघम और सूर्यवंशी जैसी हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। निर्देशक अब सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय अभिनीत एक्शन कॉप वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स

के साथ ओटीटी में अपना कदम रख रहे हैं। हाल ही में इसके निर्माताओं ने इसका बहुप्रतीक्षित ट्रेलर इंटरनेट पर जारी किया है।

एक्शन मोड में दिखे स्टार

इंडियन पुलिस फोर्स का यह ट्रेलर रोमांचक संवादों और एक्शन से भरपूर दृश्यों से भरा है, जिसमें अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय शामिल हैं। यह दिल्ली के तीन पुलिसकर्मियों की कहानी है, जो शक्तिशाली आपराधिक ताकतों के साथ आमने-सामने हैं। ट्रेलर में रोहित शेट्टी के ट्रेडमार्क कारों के दुर्घटनाग्रस्त होने और हवा में उड़ने के साथ-साथ गोलियों की तड़तड़ाहट के सीन हैं। कुल मिलाकर, यह ट्रेलर दर्शकों में उत्साह पैदा करने में कामयाब है।

19 को होगी रिलीज

इंडियन पुलिस फोर्स का प्रीमियर 19 जनवरी 2024 को भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर विशेष रूप से होने वाला है। सिद्धार्थ की आखिरी फिल्म रश्मिका मंदाना के साथ जासूसी थ्रिलर फिल्म मिशन मजनू थी। फिल्म को मिली-जुली आलोचनात्मक प्रतिक्रिया मिली। इंडियन पुलिस फोर्स के अलावा, वह अगली बार शाही खन्ना और दिशा पटानी के साथ योद्धा में दिखाई देंगे। यह फिल्म इसी साल मार्च में रिलीज होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

डंकी की सफलता के बाद अब ओटीटी का रुख करेंगे राजकुमार हिरानी

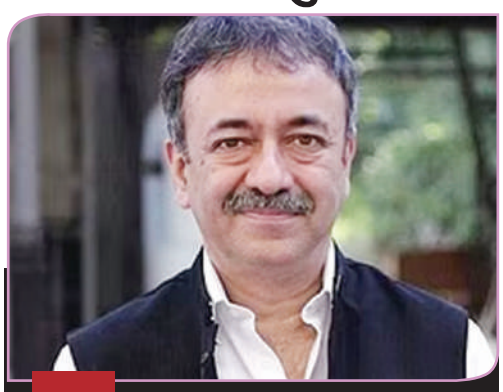

राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी फिल्म डंकी को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म की कहानी से लेकर कास्ट की एक्टिंग फैंस को बहुत पसंद आई है। वहीं अब खबर है आ रही है कि राजकुमार हिरानी जल्द ही ओटीटी पर डेब्यू करने वाले हैं। डंकी की सफलता के बाद अब राजकुमार हिरानी ओटीटी की तरफ रुख कर रहे है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मीडिया के साथ एक इंटरव्यू में राजकुमार हिरानी ने बताया है कि वो जल्द ही एक ओटीटी शो करने वाले हैं जिसकी शूटिंग इस महीने से शुरू हो सकती है। उन्होंने ये भी बताया कि वो इस शो को डायरेक्ट नहीं करेंगे बल्कि शो रनर होंगे। शो डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज होगा। इस शो के लिए उन्होंने हालिया रिलीज फिल्म 12th फेल के एक्टर विक्रांत मैसी की नाम दिया है। इसके आगे राजकुमार हिरानी ने कहा कि यह शो उनकी अपनी जगह है। यह कुछ ऐसा है जिससे मैं स्क्रिप्ट और जिस तरह से इसे आगे बढ़ाया गया है उससे बहुत खुश हूं। इस शो में, मैं वास्तव में शामिल हूं और यह मेरे अपने क्षेत्र में है।डायरेक्टर ने इंटरव्यू में फिल्म की स्क्रिप्ट को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, कोविड 19 का शुक्रिया, जिसने हमें स्क्रिप्ट पर काम करने का अच्छा-खासा मौका दे दिया और हमारे पास बहुत सारी कहानियां तैयार हैं, और आने वाले महीने में मैं और कहानियों पर काम करूंगा। राजकुमार हिरानी ने इंटरव्यू में मुन्ना भाई के तीसरे पार्ट के बारे में भी बात की, उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है कि मैं इसे नहीं करना चाहता, 100 प्रतिशत मैं इसे करना चाहता हूं क्योंकि मुझे उन फिल्मों को बनाने में मजा आया। लेकिन अभी इसकी स्क्रिप्ट इतनी अच्छी नहीं बन पाई है। विक्रांत मैसी के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्टर हाल ही में विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वीं फेल में देखा गया है। इस फिल्म में उनकी शानदार एक्टिंग ने सबका दिल जीत लिया है। यह फिल्म आईपीएस मनोज कुमार शर्मा की असल जीवन पर बेस्ड है। 12वीं फेल एक ऐसे इंसान की कहानी है, जो गरीबी से उबरकर आईपीएस अधिकारी बनता है।

100 सालों में सिर्फ एक ही बार है खिलता है ये पौधा, होश उड़ा देंगी इसकी ये खूबियां!

प्रकृति में कई ऐसे पेड़ और पौधे पाए जाते हैं, जो बहुत ही अनोखे होते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे पौधे के बारे में बताएंगे जिसे धरती पर सबसे अजीब पौधों में से एक बताया जाता है, जिसका नाम पुया रायमोंडी है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह पौधा 100 सालों में केवल एक बार ही खिलता है। ऐसी ही इस पौधे में कई खूबियां, जिन्हें जान कर आपके होश उड़ जाएंगे। cbsnews.com की रिपोर्ट के अनुसार, पुया रायमोंडी एक दुर्लभ और विशाल पौधा है, जो शताब्दी में एक बार ही खिलता है, इसलिए अधिकांश लोगों के लिए इस दुर्लभ लुप्तप्राय पौधे को खिलते हुए देखने का मौका जीवनकाल में केवल एक बार ही आएगा। इस पौधे को एंडीज की रानी के रूप में भी जाना जाता है। यह केवल तभी खिलता है, जब पौधा लगभग 80 से 100 साल की आयु तक पहुंच जाता है। पुया रायमोंडी आमतौर पर कैक्टस से मिलता-जुलता हुआ लगता है। यह साऊथ अमेरिका में 12,000 फुट की ऊंचाई पर उगते हैं। बर्कले में यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के बॉटनिकल गार्डन के निदेशक पॉल लिच्ट ने सीबीएस सैन फ्रांसिस्को न्यूज को बताया कि यह पौधा खराब मिट्टी के साथ ठंडी और शुष्क परिस्थितियों में भी उग सकता है। वहीं, perunorth.com की रिपोर्ट में बताया गया है कि पुया रायमोंडी दुनिया का सबसे बड़ा ब्रोमेलियाड है। साथ ही यह दुनिया का सबसे ऊंचा फ्लॉवर स्पाइक भी है। पौधे को परिपक्व होने में कितना समय लगता है, यह बहस का विषय रहा है। पुया रायमोंडी 33 फीट की ऊंचाई तक उग सकता है। जब इस पर फूल खिलते हैं, तो यह देखने में बड़ा ही सुंदर लगता है। इस पर हजारों की संख्या में सफेद खिलते हैं, जिनमें लाखों बीच होते हैं। एक बार फूल आने के बाद ये पौधा मुरझा जाता और फिर मर जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस पर 8 हजार से लेकर 20 हजार तक फूल खिल सकते हैं।

अजब-गजब | इस पक्षी को कहा जाता है कोतवाल

आवाज कॉपी करने में उस्ताद है ये पक्षी 40 प्रजातियों की करता है नकल!

ग्रेटर रैकेट-टेल्ड ड्रोंगो बड़ा ही अद्भुत पक्षी है, जो दूसरे जीवों आवाज कॉपी करने में उस्ताद होता है। इसे 'द मास्टर मिमिक' के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यह पक्षियों, मेंढकों और कीड़ों सहित 40 प्रजातियों की आवाज की नकल कर सकता है। अब इस बर्ड का एक वीडियो वायरल हो रहा है। भारत में इसे कोतवाल, पुलिस और भुजंग पक्षी कहा जाता है। आखिर इस पक्षी को कोतवाल क्यों कहा जाता है, आइए जानते हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर ये वीडियो @ Our Nature Rocks नाम की यूजर ने पोस्ट किया है। इस वीडियो में आप इस पक्षी को आवाज निकालते हुए देख सकते हैं। आप वीडियो में देख सकते हैं कि ये पक्षी नीले रंग के साथ चमकदार काले रंग का होता है। अन्य पक्षियों के साथ इसके शरीर पर दो खास तरह के लंबे पंख भी होते हैं। यह वीडियो महज 16 सेकंड का है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह पक्षी 35 अन्य पक्षियों, 3 स्तनधारियों (Mammals और 2 मेंढकों की आवाजों की नकल करता है।

बेंगलुरु स्थित नेशनल सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज से वाइल्ड लाइफ एंड कंजर्वेशन में मास्टर डिग्री करने वाली समीरा अग्निहोत्री ने इस पक्षी पर तीन साल तक स्टडी की है, जिसमें उन्होंने पाया कि ये पक्षी 35 अन्य पक्षियों की आवाज की नकल कर सकता है। साथ ही ये कुछ स्तनधारी जीवों और मेंढकों की आवाज भी कॉपी कर सकता है।

ग्रेटर रैकेट-टेल्ड ड्रोंगो पक्षी का साइंटिफिक नाम डिक्रूरस पैराडाइज़स है। इसे ब्लैक ड्रोंगो के नाम से भी जाना जाता है। यह एक मीडियम आकार का पक्षी है, जो भारत में भी पाया जाता है, जिसके पास 2 खास तरह के लंबे पंख होते हैं। जब यह उड़ता है, तो ऐसा लग सकता है जैसे दो बड़ी मधुमक्खियां एक काले पक्षी का पीछा कर रही हैं।

यह एक बहादुर पक्षी है, जो अन्य किसी भी शिकारी पक्षी से टकराने से पीछे नहीं हटता है। यह तेज सीटी बजाने के लिए भी जाना जाता है, जिस वजह से इसे भारत में कोतवाल या पुलिस के नाम से जाना जाता है। जब कोई शिकारी अन्य पक्षियों पर हमला करने वाला होता है तो ये तेजी से आवाज निकाल कर उनको अलर्ट कर देता है, जिस कारण वे पक्षी जान बचाने में सफल हो पाते हैं। साथ ही यह अपनी टेरिटरी में दूसरे पक्षी को घुसने नहीं देता है, इसलिए इसे कोतवाल कहा जाता है।

भाजपा नेता मर्यादा भूल गए हैं : चंद्रिमा भट्टाचार्य

सीएम ममता पर अभद्र टिप्पणी के लिए अमित मालवीय के खिलाफ पुलिस में की शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में भाजपा नेता अमित मालवीय के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। वरिष्ठ टीएमसी नेता चंद्रिमा भट्टाचार्य ने भाजपा नेता के खिलाफ शिकायत की है। दरअसल, अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया था, जिस पर एक्शन लेते हुए भट्टाचार्य ने यह शिकायत दर्ज कराई है।

दरअसल, अपने पोस्ट में अमित मालवीय ने दावा किया था कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर हमले के मामले में मुख्य आरोपी, फरार टीएमसी नेता शाहजहां शेख, ममता बनर्जी के संरक्षण के कारण कानून प्रवर्तन एजेंसियों के चंगुल से भागने में कामयाब रहे हैं। साथ ही, उन्होंने लिखा, संदेशखाली का डॉन होने का दावा करने वाला शाहजहां फरार है। यह ममता बनर्जी, जो पश्चिम बंगाल की गृह मंत्री भी हैं, उनके संरक्षण के बिना संभव नहीं है। राज्य मंत्री भट्टाचार्य ने कहा, हमने एक शिकायत दर्ज की है और पुलिस से मुख्यमंत्री के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के लिए मालवीय के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

सच्चाई दबाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल

इस बीच, पश्चिम बंगाल भाजपा ने सच्चाई को चुप कराने के लिए पुलिस का इस्तेमाल करने की कोशिश के लिए टीएमसी की आलोचना की। भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा, अमित मालवीय ने जो भी कहा है, वह पूरी तरह सच है। यह टीएमसी सरकार है, जो अपराधियों को बचा रही है और इस प्रवृत्ति के कारण राज्य में अराजकता फैल गई है।

लालू यादव ने बीजेपी पर कसा तंज कहा-परिवार होगा तो खर्चा होगा ही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद प्रमुख लालू यादव अपने अंदाज में एकबार फिर भाजपा व मोदी सरकार पर तंज कसा है। पूर्व बिहार के सीएम हमेशा अपने बयान को लेकर अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। देश में लोकसभा चुनाव कुछ ही महीनों बाद आयोजित होने वाला है। इस बीच लालू यादव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इसमें लालू मजाकिया अंदाज में अपने विपक्षियों पर तंज कसते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि, वीडियो काफी पुराना है।

खूब वायरल हो रहा है पुराना वीडियो

यह वीडियो उस वक्त का है, जब लालू संसद का सदस्य थे। वीडियो में लालू संसद को संबोधित करते हुए नजर आ रहे हैं। वह कहते हैं कि आप 1500 रुपये दे रहे हैं, यह तो ऐसे है जैसे ऊंट के मुंह में जीरा का फोरन। उन्होंने कहा कि चारों तरफ हमारी राजनीति देखिए और चारों तरफ अगर परिवार है, बच्चें हैं तो खर्चा ज्यादा है। उन्होंने कहा कि हर चीज में नेता लोग चोर है और भ्रष्ट है कहा जाता है। लालू ने कहा कि देश में एकजुटता आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि आप 7000 हजार करिए, ये तो आप उतना ही बढ़ा रहे हैं, जितना हमने किया था। इसमें टैक्स भी लेना है। लालू ने संसद में आगे कहा कि कानून बनाने वाले सांसद की भी सुविधा बननी चाहिए। इसमें कोई कंजूसी नहीं करना है। इसके साथ उन्होंने यह भी कहा कि अगर आप इस सत्र में नहीं बनाइएगा तो अगले सत्र में हम लोग झटका देंगे और उससे नहीं मानिएगा तो पटका देकर बिल पास करा लेंगे। लालू के इस वीडियो को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर लालू यादव फैन नाम के एक अकाउंट पर अपलोड किया गया है। इस वीडियो को अब तक खूब लाइक्स मिल चुके हैं। वहीं, इसपर तरह के रिएक्शन भी देखने को मिल रहे हैं।

फोटो : 4पीएम

मांग ग्रामीण स्वच्छता ग्राही कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश के कर्मचारियों ने स्थायी नियुक्ति की मांग को लेकर विधानसभा का किया घेराव।

केंद्र कश्मीर में नागरिकों के साथ कर रही आतंकियों जैसा बर्ताव : मुफ्ती

» मोदी सरकार को घेरा कहा- पूर्वोत्तर की तरह यहां भी करें संवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। असम में यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट (उल्फा) के साथ केंद्र की वार्ता को लेकर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सरकार को घेरा। महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाते हुए कहा कि एक तरफ केंद्र सरकार पूर्वोत्तर में आतंकियों से बातचीत कर रही है, तो वहीं दूसरी तरफ जम्मू कश्मीर में नागरिकों से साथ आतंकियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है।

अनंतनाग जिले के बिजबेहरा में महबूबा मुफ्ती ने अपने पिता और पीडीपी संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद की आठवीं पुण्यतिथि पर उनकी समाधि पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की एक सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। महबूबा मुफ्ती ने आगे कहा, हम आत्मसमर्पण नहीं करेंगे। अगर आप (केंद्र) हमसे गरिमा के साथ

बात करेंगे तो हम सम्मान के साथ जवाब देंगे। अगर आप डंडे से बात करेंगे जैसा कि आपने बफलियाज में किया था, तो ऐसे नहीं चलेगा। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जब केंद्र पूर्वोत्तर में आतंकवादियों के साथ बातचीत कर रहा था, तब उसने जम्मू-कश्मीर में आम नागरिकों को आतंकवादी करार दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र को अलगाववादियों से निपटने में उनके दिवंगत पिता द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण से सीखना चाहिए। उन्होंने कहा, वहां (पूर्वोत्तर में) आप (केंद्र सरकार) आतंकवादियों से बात करते हैं जबकि जम्मू-कश्मीर में आपने आम लोगों को आतंकवादी करार दिया। आपने (अंधाधुंध) गिरफ्तारियां करके जेलें भर दी हैं।

मुफ्ती मोहम्मद हीलिंग टच नीति से आतंक रोकने का किया प्रयास : बेग

मुजफ्फर बेग ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मुफ्ती मोहम्मद सईद पहले व्यक्ति थे जिन्होंने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फैलने के बाद हीलिंग टच नीति के बारे में बात की थी। मुफ्ती की राजनीति का सवाल है, वह भारत के पहले मुस्लिम गृह मंत्री थे। आज तक किसी अन्य मुस्लिम को देश का गृह मंत्री नहीं बनाया गया है। वह पहले व्यक्ति थे जिन्होंने आतंकवाद के विस्फोट के बाद हीलिंग टच की बात की थी। उन्होंने कहा कि वे भी हमारे अपने बच्चे थे जिन्हें दूसरे देश द्वारा गुमराह किया जा रहा था।

फिर दिखेगा विराट-रोहित का टी-20 में दम

» अफगानिस्तान के खिलाफ टीम में होंगे शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए अफगानिस्तान सीरीज के लिए टीम इंडिया की स्क्वाड का एलान हो चुका है। 16 सदस्यीय इस टीम में सबसे खास नाम रोहित शर्मा और विराट कोहली का है। दरअसल, यह दोनों दिग्गज पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद से एक भी टी-20 इंटरनेशनल नहीं खेले हैं।

रोहित और विराट की वापसी इसलिए भी अहम है क्योंकि पिछले कुछ हफ्तों से यह कयास लगाए जा रहे थे कि टी20 वर्ल्ड कप में रोहित और विराट नहीं होंगे। इसके पीछे कई कारण गिनाए जा रहे थे। इनमें टी-20 क्रिकेट में रोहित की कप्तानी, विराट का टी-20 फॉर्मेट में कम स्ट्राइक रेट, युवा

क्रिकेटर्स को मौका दिए जाने की संभावना और क्रिकेट के अलग-अलग फॉर्मेट में संतुलन बनाने के लिहाज से विराट और रोहित को टेस्ट और वनडे तक ही सीमित रखने जैसी बातें शामिल थी।

हालांकि चयनकर्ताओं ने इन सब के उलट अफगानिस्तान सीरीज में इन दोनों को शामिल कर सभी कयासों पर विराम लगा दिया। अब यह बात लगभग तय मानी जा रही है कि रोहित शर्मा की टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के कप्तान होंगे। विराट का भी खेलना तय है।

ऐसे में इन दो दिग्गजों की टी-20 इंटरनेशनल में वापसी किन-किन खिलाड़ियों के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकती है यानी कि कुछ की टी-20 वर्ल्ड कप से छुट्टी हो सकती है।

अय्यर व केएल पर असर

श्रेयस अय्यर टीम इंडिया के लिए टेस्ट और वनडे के अहम खिलाड़ी हैं लेकिन टी-20 में उन्हें बहुत कुछ साबित करना बाकी है। रोहित और विराट की वापसी का सीधा-सीधा असर इन्हीं पर जाना है। नंबर-तीन पर विराट के आने और फिर मिडिल ऑर्डर में सूर्या और हार्दिक समेत कुछ युवा खिलाड़ियों के चलते उनकी टीम में जगह बनती नजर नहीं आ रही है। वर्ल्ड कप 2023 में केएल राहुल ने बतौर बल्लेबाज और विकेटकीपर अच्छा काम किया। उन्होंने टीम इंडिया को कुछ अहम मुकाबले भी जिताए। लेकिन वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में उनकी धीमी पारी आलोचकों के निशाने पर रही। टी-20 क्रिकेट में भी देखा गया है कि केएल कई मौकों पर बेहद कम स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाते हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि केएल राहुल इस बार टी-20 वर्ल्डकप से बाहर रह सकते हैं।

जनता से मिलने वाला प्यार और स्नेह पैसे से खरीदा नहीं जा सकता : उद्धव

बोले- महाराष्ट्र की जनता मेरे साथ, बदनाम करने की हो रही कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नाम का जिक्र आते ही शिवसेना के दो-फाड़ होने का जिक्र स्वाभाविक हो जाता है। करीबी सहयोगी एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद शिवसेना दो गुटों में बंट गई और अब उद्धव नए सिरे से दल और समर्थकों को एजजुट करने का प्रयास कर रहे हैं। अपने आवास- मातोश्री में समर्थकों से मुखातिब उद्धव ठाकरे ने कहा कि जनता से मिलने वाला प्यार और स्नेह पैसे से खरीदा नहीं जा सकता। ताजा घटनाक्रम में उद्धव ठाकरे ने कहा है कि उन्हें महाराष्ट्र की जनता का पूरा समर्थन हासिल है।

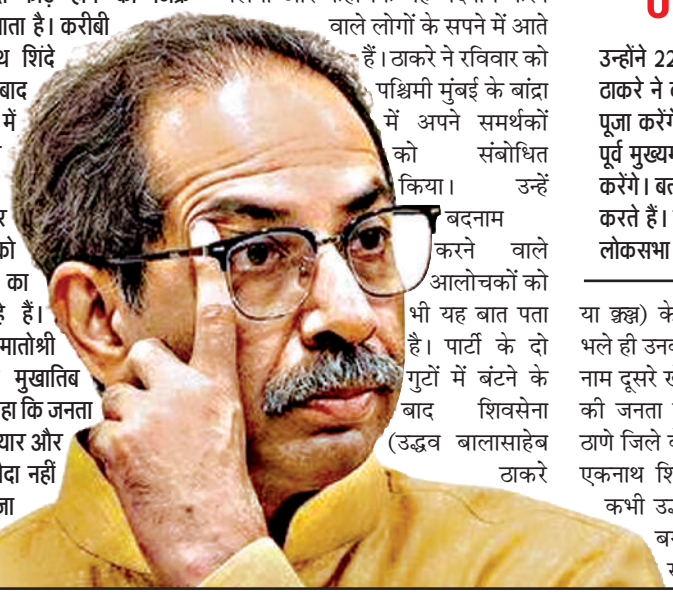

उन्होंने आलोचकों को आड़े हाथ लिया और कहा कि वह बदनाम करने वाले लोगों के सपने में आते हैं। ठाकरे ने रविवार को पश्चिमी मुंबई के बांद्रा में अपने समर्थकों को संबोधित किया। उन्हें बदनाम करने वाले आलोचकों को भी यह बात पता है। पार्टी के दो गुटों में बंटने के बाद शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे या बाल) के मुखिया उद्धव ने कहा कि भले ही उनकी पार्टी का चुनाव चिह्न और नाम दूसरे खेमे के पास है, लेकिन प्रदेश की जनता उनके साथ है। बता दें कि ठाणे जिले के उल्हासनगर को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का गढ़ माना जाता है। कभी उद्धव के करीबी रहे शिंदे की बगावत के बाद करीब डेढ़ साल पहले शिवसेना दो-फाड़ हो गई। हाल ही में कुछ राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने उद्धव ठाकरे का दामन थामा है। बगावत के बाद शिवसेना (यूबीटी) में लौटे नेताओं का जिक्र करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि आगे बड़ी राजनीतिक लड़ाई है लेकिन सभी वफादारों और समर्थकों के एकजुट रहने पर कड़े संघर्ष के बाद जीत पाई जा सकती है।

22 को नासिक के कालाराम मंदिर में पूजा करेंगे ठाकरे

उन्होंने 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर भी बात की। उद्धव ठाकरे ने कहा, अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के दिन वह नासिक के कालाराम मंदिर में पूजा करेंगे। गोदावरी नदी के तट पर महा आरती का आयोजन भी किया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने यह भी कहा कि वह कल्याण लोकसभा सीट का दौरा करेंगे। बता दें कि इस सीट से सीएम एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे प्रतिनिधित्व करते हैं। गौरतलब है कि ठाकरे का बयान लगभग दो महीने के बाद होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर काफी अहम माना जा रहा है।

वोट के लिए पीएम का चेहरा जरूरी नहीं : पलानी स्वामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» अन्नाद्रमुक अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा के लिए तत्पर

मदुरै। राजनीतिक दलों के बयान के आधार पर कहा जा सकता है कि लोकसभा चुनाव 2024 बेहद दिलचस्प होने वाले हैं। दक्षिण भारत में जनाधार मजबूर रखने वाले पलानीस्वामी ने कहा है कि वोट मांगने के लिए प्रधानमंत्री को चेहरा बनाने की जरूरत नहीं है। अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने आंध्र प्रदेश और ओडिशा का उदाहरण देते हुए कहा कि अप्रैल-मई में होने वाले चुनाव में एआईडीएमके और उनके सहयोगियों के लिए वोट मांगने के लिए किसी प्रधानमंत्री उम्मीदवार को पेश करने की जरूरत नहीं है।

पलानीस्वामी ने सवाल किया कि पिछले संसदीय चुनावों में क्या ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक और आंध्र प्रदेश के सीएम जगन मोहन रेड्डी ने वोट मांगने के लिए प्रधानमंत्री का चेहरा पेश किया था? दोनों ने ऐसा नहीं किया। इसी तरह, केरल में भी वाम मोर्चे ने प्रधानमंत्री पद का कोई उम्मीदवार घोषित नहीं किया था। मंदिरों के शहर मदुरै में एसडीपीआई की वेलट्टम माथासरबिनमई (धर्मनिरपेक्षता की जीत) रैली में पलानीस्वामी ने कहा, एकमात्र जरूरत अच्छा करने की है। लोगों की सेवा करने और उनके हितों की रक्षा जरूरी है। अन्नाद्रमुक अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा के लिए संसद में होने वाले प्रयासों को पूरा समर्थन देगी।

मालदीव पर भड़के लक्षद्वीप के सांसद मोहम्मद फैजल

» कहा-लक्षद्वीप में पर्यटन बढ़ेगा तो मिलेगा रोजगार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लक्षद्वीप। लक्षद्वीप के सांसद मोहम्मद फैजल ने पिछले सप्ताह केंद्र शासित प्रदेश की यात्रा पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ द्वीप राष्ट्र मालदीव के कुछ राजनेताओं द्वारा अपमानजनक टिप्पणी पोस्ट करने के बाद मालदीव पर हमला बोला है।

पीएम मोदी, 3 जनवरी को लक्षद्वीप में थे। उन्होंने अपनी यात्रा की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जहां उन्हें घूमते और प्राचीन समुद्र तटों के दृश्यों का आनंद लेते देखा

गया और यहां तक कि स्नॉर्कलिंग भी की गई। उन्होंने इस द्वीप को भारतीयों के लिए एक पर्यटन स्थल के रूप में भी पेश किया था। तस्वीरों के सोशल मीडिया पर आने के बाद मालदीव के कुछ मंत्रियों ने पीएम मोदी के खिलाफ टिप्पणी की और लक्षद्वीप को एक गंदी जगह कहा। मोहम्मद फैज़ल ने पूछा कि पीएम मोदी ने लक्षद्वीप में पर्यटन और अन्य क्षेत्रों के दायरे के बारे में जो कहा, उस पर मालदीव को टिप्पणी क्यों करनी चाहिए

आईएसआईएस की गुजरात में बम ब्लास्ट करने की थी योजना

» गोधरा दंगे का बदला लेना चाहते थे आतंकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधीनगर। हाल में पकड़े गए आईएसआईएस के पुणे मॉड्यूल के संदिग्ध आतंकी शहनवाज आलम के कबूलनामे में हुआ बड़ा खुलासा हआ है। गोधरा दंगे का बदला लेने के लिए आईएसआईएस पूरे गुजरात मे सिलसिले तरीके से बड़े बम ब्लास्ट करवाना चाहती थी।

जानकारी के मुताबिक, आतंकियों के निशाने पर गुजरात के गांधी नगर, अहमदाबाद, बडोदरा और सूरत, इसके

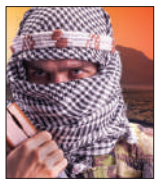

अलावा आतंकियों के निशाने पर गुजरात के भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिन्दू परिषद, जिला न्यायलय, विश्वविद्यालय, कई मंदिर, यहूदी स्थल और भीड़भाड़ वाले इलाके थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आतंकी बड़े हमले को अंजाम देने से पहले 2023 में ही इन जगहों की रेकी की थी। रेकी के दौरान कई जगहों की तस्वीरें भी खींची थीं। आंतकियों ने रेलवे स्टेशन, सिनेमा हॉल समेत कई भीड़भाड़ वाले इलाकों की रेकी की थी।

मेरी पार्टी स्वतंत्र है, हम किसी के गुलाम नहीं बनेंगे

स्टालिन के इस आरोप को खारिज कर दिया कि अन्नाद्रमुक बीजेपी की गुलाम है। पलानीस्वामी ने कहा कि उनकी पार्टी स्वतंत्र है और उसने कभी किसी भी दल को गुलाम बनाने की इजाजत नहीं दी। उन्होंने कहा कि जो भी पार्टी एआईडीएमके के साथ जुड़ेगी, वह आगे बढ़ेगी। डीएमके के साथ आने वाली पार्टियों को झटका लगने वाला है। अन्नाद्रमुक प्रमुख ने कहा कि द्रमुक के सहयोगी स्टालिन के नेतृत्व वाली पार्टी के सामने मुखर होकर कोई मुद्दा नहीं उठा सकते। दूसरी तरफ अन्नाद्रमुक जाति और धर्म से परे है। यहां एक साधारण कार्यकर्ता भी शीर्ष पदों पर जा सकता है। अतीत में उनकी पार्टी भाजपा के साथ चुनावी गठबंधन के लिए तत्कालीन परिस्थितियों% के कारण विचार कर रही थी। हालांकि, पार्टी ने कभी भी अपनी विचारधारा से समझौता नहीं किया।

गुनगुनी धूप निकली पर गलन ने ठिठुराया

आज रात से बुंदेलखंड और पश्चिमी यूपी में बारिश के आसार, 10 के बाद मौसम साफ रहने का अनुमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रविवार व सोमवार को सुबह कोहरा छंटने के बाद गुनगुनी धूप निकली। धूप से लोगों को राहत जो मिली पर गलन बढ़ने से लोग ठिठुरते भी नजर आए। उत्तर प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में दिन का तापमान चढ़ा, लेकिन रात के पारे में गिरावट दर्ज की गई है। कई क्षेत्र तो ऐसे हैं, जहां पारा में पांच डिग्री के आसपास की गिरावट दर्ज की गई है। गलन और कोहरे से लोग अभी भी परेशान हैं। इस बीच मौसम विभाग ने सोमवार रात से बुंदेलखंड व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में बारिश के आसार जताए हैं।

आठ जनवरी की रात से प्रदेश के कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हो सकती है, नौ जनवरी को लखनऊ समेत मध्य उत्तर प्रदेश में हल्की बारिश के आसार दिख रहे हैं। मौसम विभाग के आंकड़ों के

मुताबिक, उरई में न्यूनतम तापमान सबसे कम रहा। यहां पर रविवार के 10.2 डिग्री की अपेक्षा तापमान 5.6 डिग्री दर्ज हुआ। बरेली, शाहजहांपुर, नजीबाबाद, मुजफ्फरनगर, मेरठ, आगरा और अलीगढ़ में पारा 10 से नीचे रहा। दिन को कई इलाकों में धूप खिलने से लोगों ने राहत महसूस की और पारा 20 डिग्री से ऊपर तक पहुंचा। कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी, बलिया, चुर्क, बहराइच, प्रयागराज, लखनऊ, सुल्तानपुर, अयोध्या, फुर्सतगंज, हमीरपुर में पारा 21 से 22 के बीच रहा। नौ को हल्की बारिश के आसार 10 जनवरी से बढ़ेगी ठंड और कई जिलों में घने कोहरे की चेतावनी। मौसम विभाग का मंगलवार को वर्षा का पूर्वानुमान है। 12 जनवरी से कोहरा व धुंध फिर परेशानी बढ़ाएंगे। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से सोमवार व मंगलवार को बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

घने कोहरे की भी चेतावनी

लखनऊ, हरदोई, जालौन, जौनपुर, झांसी, कन्नौज, कानपुर, कासगंज, कौशांबी, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी, आगरा, अंबेडकरनगर, अमेठी, अमरोहा, औरैया, अयोध्या, आजमगढ़, बदायूं, बागपत, बहराइच, बलिया, बलरामपुर, बांदा, बाराबंकी, बरेली, बस्ती, बिजनौर, चित्रकूट, देवरिया, एटा, इटावा, फर्रुखाबाद, फतेहपुर, फिरोजाबाद, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर, हमीरपुर, ललितपुर में घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।